राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस

तकनीकी संस्थान/कॉलेज शिक्षक के लिए प्रशिक्षण हैंडआउट (रिपोर्टिंग फॉर्म संलग्न)

गाँव के दूसरे बच्चों की तरह स्वाति भी अक्सर खुले में शौच जाती है

वह अक्सर नंगे पैर घर के बाहर खेलती है और हाथ धोएं बिना खाना खाती है

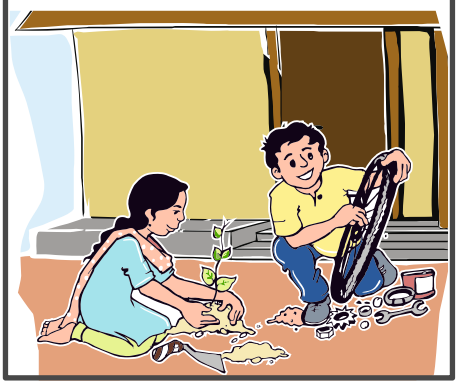

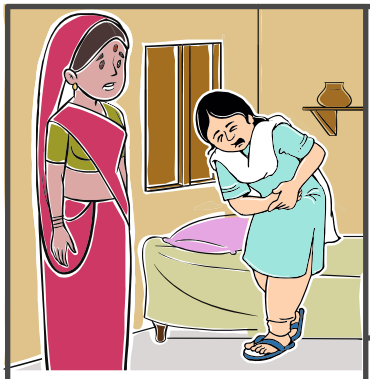

हाल ही में, स्वाति की माँ ने देखा कि उसे लगातार पेट में दर्द रहता है

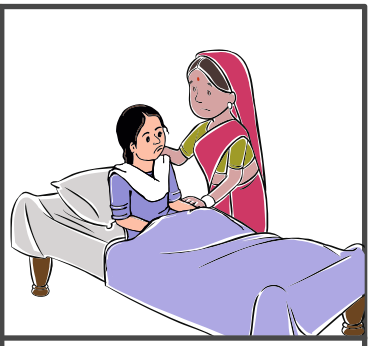

दस्त और कमज़ोरी के कारण वह रोज़ाना तकनीकी संस्थान/कॉलेज भी नहीं जा पाती

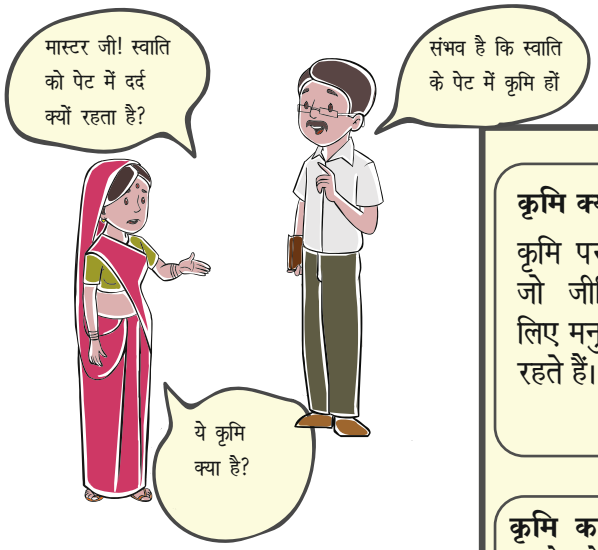

कृमि संक्रमण के मुख्य बिंदु

कृमि क्या हैं?

कृमि परजीवी होते हैं। जो जीवित रहने के लिए मनुष्य की आंत में रहते हैं।

बच्चों में आम तौर पर तीन तरह के कृमि पाए जाते हैं

राउंड कृमि | व्हिप कृमि | हुक कृमि

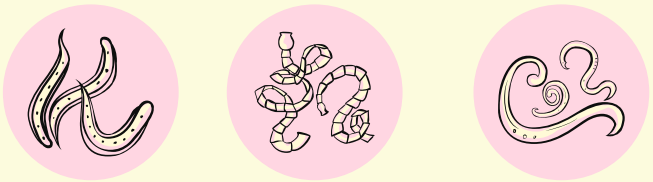

कृमि कई कारणों से बच्चे के पेट में पहुच सकते हैं-

- नंगे पैर खेलने से
- बिना हाथ धोएं खाना खाने से
- खुले में शौच करने से
- साफ-सफाई ना रखने से

कृमि संक्रमण के हानिकारक प्रभाव-

- खून की कमी (अनीमिया)
- कुपोषण
- भूख न लगना
- कमज़ोरी और बैचेनी
- पेट में दर्द, जी मिचलाना, उल्टी और दस्त आना
- वज़न में कमी आना

बच्चों को कृमि नियंत्रण के फायदे-

सीधे फायदे

- खून की कमी में सुधार
- बेहतर पोषण स्तर

अनुमानित फायदे

- तकनीकी संस्थान/कॉलेज में उपस्थिति तथा सीखने की क्षमता में सुधार लाने में मदद
- भविष्य में कार्यक्षमता और औसत आय में बढ़ोतरी
- वातावरण में कृमि की संख्या कम होने पर समुदाय को लाभ मिलता है

कृमि संक्रमण चक्र

1. संक्रमित बच्चे के शौच में कृमि के अंडे होते हैं। खुले में शौच करने से ये अंडे मिट्टी में मिल जाते है और विकसित होते हैं।

2 अन्य बच्चे नंगे पैर चलने से, गंदे हाथों से खाना खाने से या फिर बिना ढ़का हुआ भोजन खाने से, लार्वा के संपर्क में आने से संक्रमित हो जाते हैं।

3. संक्रमित बच्चों में कृमि के अंडें व लार्वा रहते है जो बच्चों के स्वास्थ्य को हानि पहुचाँते है।

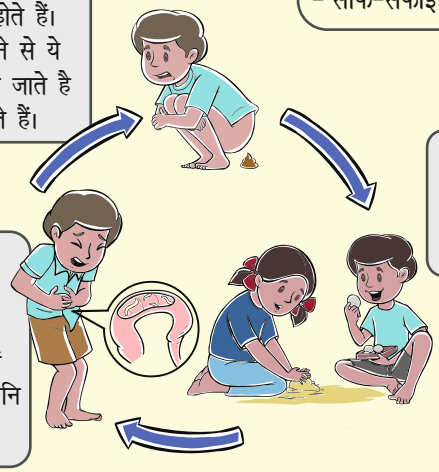

एल्बेंडाजॉल की दवाई कृमि नियंत्रण में मदद करती है

29 अगस्त 2019
राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस

इस दिन सभी बच्चों को एल्बेंडाजॉल दवाई सभी आंगनवाड़ी केन्द्र/स्कूल/तकनीकी संस्थान/कॉलेज में निःशुल्क खिलाई जाएगी।

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस

तकनीकी संस्थान/कॉलेज शिक्षक के लिए प्रशिक्षण हैंडआउट (रिपोर्टिंग फॉर्म संलग्न)

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस पर शिक्षक के तौर पर आपकी क्या मुख्य भूमिका है?

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस से पहले

आवश्यक सामग्री की चेकलिस्ट-

- पर्याप्त मात्रा में दवाई सुनिश्चित करें
- राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस का प्रशिक्षण/जानकारी, आवश्यक सामग्री अपने तकनीकी संस्थान/कॉलेज में अन्य शिक्षक को अवश्य दें
- ए.एन.एम. और स्थानीय स्वास्थ केन्द्र के फ़ोन नंबर सम्भाल कर रखें
- राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस रिपोर्टिंग फॉर्म
- राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस कार्यक्रम के बारे में बच्चों, माता-पिता और समुदाय को जागरूक करें
- माता-पिता को राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस की तिथि अवश्य बतायें ताकि वे अपने बच्चों को उस दिन तकनीकी संस्थान/कॉलेज में दवा खिलवाने ज़रूर भेजें
- पोस्टर, बैनर आदि आई. ई. सी. को सही तरीके से लगाएं ताकि सभी उसे पढ़ पाएं

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस पर

सुनिश्चित करें कि आपके आसपास ये सुविधाएं जरूर उपलब्ध हों

- साफ पानी और पीने के लिए गिलास
- पर्याप्त मात्रा में दवाई
- दवाई खिलानें के लिए चम्मच
- आपातकालीन फ़ोन नंबर
- उपस्थिति रजिस्टर

कृमि मुक्ति दिवस पर छूट गए बच्चों के घर दोबारा जाएं और मॉप-अप सप्ताह 30 अगस्त से 4 सितम्बर 2019 के दौरान दवाई खिलाने के लिए प्रेरित करें।

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के बाद

- शिक्षक राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस और मॉप-अप सप्ताह की संख्या अलग-अलग गिनती करें और संस्था प्रमुख को जमा करें।
- संस्था प्रमुख सभी कक्षाओं की जानकारी का संकलन करके रिर्पोटिंग फॉर्म **10 सितम्बर 2019** तक ए.एन.एम. को दें।
- राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के बाद बच्चों और माता-पिता को प्रोत्साहित करें कि वे कृमि संक्रमण की रोकथाम के लिए साफ-सफ़ाई का ध्यान रखें।

ध्यान दें

1

6–19 साल के बच्चों को 1 पूरी दवाई खिलाई जाती है।

2

- गले में दवाई अटकने से बचाने के लिए बच्चों को हमेशा दवाई चबाकर खाने की सलाह दें।
- पीने का पानी साथ रखें।
- बिना चबा कर खायी गयी एल्बेंडाजॉल दवाई का प्रभाव महत्वपूर्ण रूप से कम हो सकता है।
- शिक्षक अपने सामने ही हर बच्चे को दवाई खिलाएं। दवाई घर ले जाने ना दें।

3

कृमि मुक्ति दिवस पर दवाई देने के साथ-साथ उपस्थिति रजिस्टर में हर बच्चे के नाम के सामने सही का एक (✓) निशान लगाएं।

4

- जो बच्चे बीमार हैं या कोई अन्य दवाई ले रहें हैं उन्हें कृमि नियंत्रण की दवाई ना खिलायें।
- बच्चों को ज़बरदस्ती दवाई ना खिलायें।

5

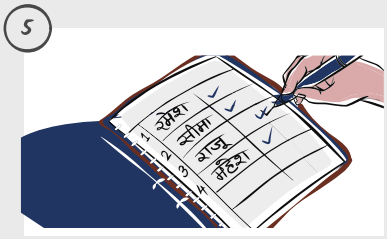

जो बच्चे राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस पर किसी भी कारण छूट जाते हैं, उन्हें मॉप-अप सप्ताह के दौरान दवाई खिलाएं। बच्चे के नाम के सामने रजिस्टर पर सही के दो (✓✓) निशान लगाएं।

मॉप–अप सप्ताह 30 अगस्त से 4 सितम्बर 2019 को है

6

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस और मॉप-अप सप्ताह के दौरान लगाए (✓) और (✓✓) की संख्या अलग-अलग संकलित कर संस्था प्रमुख को बची हुई दवाई के साथ दें।

यह दवाई बच्चों और बड़ो के लिए सुरक्षित है

- जिन बच्चों में कृमि होते हैं, उन्हें दवाई खाने पर कुछ मामूली प्रतिकूल लक्षण जैसे कि जी मिचलाना, पेट में हल्का दर्द, उल्टी, दस्त और थकान महसूस हो सकती है। घबरायें नहीं। प्रतिकूल नीति चरणों का पालन करें।

- यह प्रतिकूल लक्षण (साईड इफेक्टस) अस्थाई होते हैं और आम तौर पर आसानी से संभाले जा सकते हैं।

- किसी भी प्रकार के प्रतिकूल लक्षण होने पर, बच्चे को खुली छायादार जगह में लिटाकर आराम कराएं। उसे पीने का साफ पानी दें।

- किसी भी चिकित्सिक सहायता के लिए 108 नम्बर पर फोन करें।

आम तौर पर पूछे जाने वाले प्रश्नः

1. मुझे सभी बच्चों को कृमि नियंत्रण की दवाई क्यों खिलानी चाहिए, जबकि कुछ बच्चे बीमार प्रतीत नहीं होते?

- कृमि संक्रमण चक्र की रोकथाम के लिए यह दवाई सभी बच्चों को देना आवश्यक है।
- हो सकता है कि कृमि संक्रमण के प्रभाव तुरंत दिखाई न दें लेकिन वे बच्चों के स्वास्थ्य, शिक्षा और संपूर्ण विकास को लंबे समय तक नुकसान पहुंचा सकते हैं। कृमि नियंत्रण की दवाई कृमि संक्रमण की रोकथाम करती है।
- कृमि नियंत्रण की दवाई बच्चों के लिए बहुत सुरक्षित और असरदार है जिसे WHO और स्वास्थ्य मंत्रालय, भारत सरकार ने कृमि नियंत्रण कार्यक्रम के लिए संस्तुत किया है। प्रत्येक बच्चे में कृमि संक्रमण की जांच करना सरल नहीं है। इससे बेहतर है कि एक निर्धारित दिन (कृमि मुक्ति दिवस) पर सभी 1–19 वर्ष के बच्चों को यह दवाई खिलाई जाये।
- कृमि नियंत्रण की दवाई से बच्चों के संपूर्ण शारीरिक और मानसिक विकास में मदद मिलती है।

2. क्या यह दवाई खाली पेट खिलाई जा सकती है?

हाँ, यह दवाई खाली पेट भी खिलाई जा सकती है। दवाई चबाकर खाने का ही निर्देश दें।

3. मुझे कृमि नियंत्रण कार्यक्रम की रिपोर्टिंग का काम क्यों सौंपा गया है?

कृमि नियंत्रण की दवाई लेने वाले प्रत्येक बच्चे की सही जानकारी, समय पर रिपोर्ट करने से कार्यक्रम की सफलता जानने में मदद मिलती है। यह बहुत ज़रूरी है और यह आपकी ज़िम्मेदारी भी है।

महत्वपूर्ण निर्देश

- सुनिश्चित करें कि राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस किट की पूरी सामग्री आपको प्रशिक्षण के समय प्राप्त हुई है:

दवाई + यह हैंडआउट + आई.ई.सी. + रिपोर्टिंग फॉर्म = राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस किट

- प्रशिक्षण के पश्चात अपने तकनीकी संस्थान/कॉलेज के बाकी सभी शिक्षक को कार्यक्रम से जुडी जानकारी, प्रशिक्षण एवं आवश्यक सामाग्री दें।

बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए इस कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक और निर्देशानुसार भागीदार बनें।

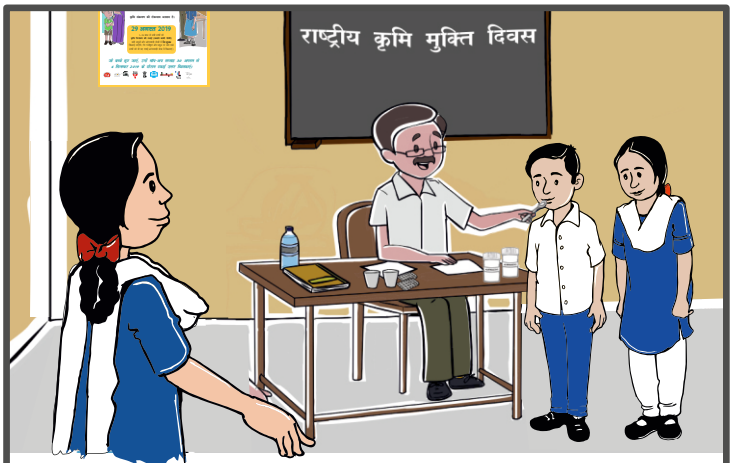

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस पर स्वाति तकनीकी संस्थान/कॉलेज गई और उसने कृमि नियंत्रण की दवाई खाई ।

अब स्वाति स्वस्थ महसूस करती है, और वह समुदाय में अपने दोस्तों को इन आवश्यक बातों के बारे में बताती है।

कृमि नियंत्रण की दवाई खाने के साथ-साथ कृमि संक्रमण की रोकथाम के लिए महत्वपूर्ण व्यवहार

नाखून साफ और छोटे रखें

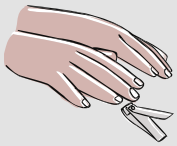

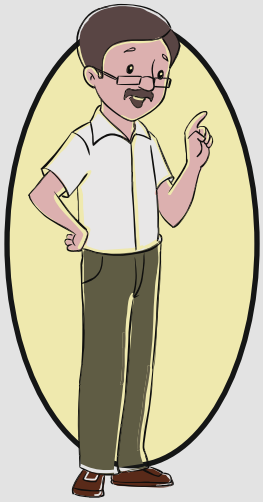

आस पास सफाई रखें

हमेशा साफ पानी पिएं

जूते पहनें

खाने को ढक कर रखें

साफ पानी में फल व सब्जियाँ धोएं

अपने हाथ साबुन से धोएं, विशेषकर खाने से पहले और शौच जाने के बाद

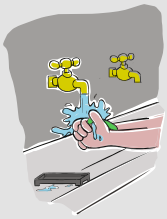

खुले में शौच ना करें, हमेशा शौचालय का प्रयोग करें

इन व्यवहार के बारे में समुदाय में नियमित रूप से जानकारी दें

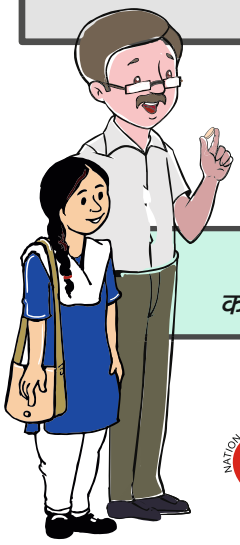

स्वाति को कृमि मुक्त कराना आपकी ज़िम्मेदारी है।

NATIONAL HEALTH MISSION राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन

स्वच्छ भारत एक कदम स्वच्छता की ओर

सिफ्सा SIFPSA

सत्यमेव जयते

सर्व शिक्षा अभियान सब पढ़ें सब बढ़ें

RKSK

Evidence Action Deworm the World Initiative

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस 29 अगस्त 2019
तकनीकी संस्थान/कॉलेज रिपोर्टिंग फॉर्म

जमा करने के लिए कॉपी

कृपया नीचे दिए गए सभी विवरण भरें और किसी भी बॉक्स को खाली न छोड़ें।
जहाँ लागू ना हो वहाँ एन.ए. **(NA)** लिखें।

राज्य का नाम:	**जिला का नाम :**	**ब्लॉक का नाम :**
ग्राम/नगर का नाम :		
तकनीकी संस्थान/ कॉलेज का नाम		तकनीकी संस्थान/ कॉलेज कोड
तकनीकी संस्थान/ कॉलेज का प्रकार उचित प्रकार पर टिक (✓) करें	सरकारी/सरकारी अनुदान ( )	निजी/प्राइवेट ( )
क्या आपके तकनीकी संस्थान/कॉलेज संस्था से किसी ने कृमि मुक्ति दिवस प्रशिक्षण में भाग लिया था।	हाँ/नहीं	

एल्बेंडाजॉल दवाई का कवरेज	**लड़कियाँ**	**लड़के**	**कुल**
तकनीकी संस्थान/कॉलेज में नामांकित बच्चों की कुल संख्या (19 साल या उससे कम)			**(A)**
नामांकित बच्चों की कुल संख्या (19 साल या उससे कम) जिन्हें कृमि मुक्ति दिवस और मॉप–अप सप्ताह के दौरान एल्बेंडाजॉल की दवाई खिलायी गयी			**(T)**
कुल योग: तकनीकी संस्थान/कॉलेज नमांकित बच्चों की कुल संख्या जिन्हें कृमि मुक्ति दिवस और मॉप–अप सप्ताह के दौरान एल्बेंडाजॉल की दवाई खिलायी गयी	**(T)**		
प्रतिशत कवरेज	**(T) X 100 / (A) =**		
तकनीकी संस्थान/कॉलेज द्वारा रिपोर्ट की गई गंभीर प्रतिकूल घटनाओं की कुल संख्या			
स्टॉक विवरण			
तकनीकी संस्थान/कॉलेज को प्राप्त एल्बेंडाजॉल दवाई की कुल संख्या			
तकनीकी संस्थान/कॉलेज के पास बची हुई एल्बेंडाजॉल दवाई की कुल संख्या			
प्रतिक्रिया (यदि कोई हो)			
दस्तावेज़ तैयार करने वाले अधिकारी का नाम, पदनाम एवं हस्ताक्षर			
दस्तावेज़ की समीक्षा करने वाले अधिकारी का नाम, पदनाम एवं हस्ताक्षर			
संस्था प्रमुख/प्रभारी अधिकारी का फोन नंबर			
किसी भी समस्या के निवारण हेतु आप राज्य/जिला/ब्लॉक कार्यालय में बात कर सकते हैं।			

तकनीकी संस्थान/कॉलेज संस्था प्रमुख रिपोर्टिंग फॉर्म को भर कर 10 सितम्बर 2019 तक ए.एन.एम. के पास जमा करें ए.एन.एम. सभी तकनीकी संस्थान/कॉलेज रिपोर्टिंग फॉर्मस को ब्लॉक एनडीडी नोडल ऑफिसर पर 17 सितम्बर 2019 तक जमा करें

नोटः रिकॉर्ड और सत्यापन (वेरिफिकेशन) के लिए रिर्पोर्टिंग फार्म की एक कॉपी अपने पास तकनीकी संस्थान/कॉलेज में ही रखें।

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस 29 अगस्त 2019
तकनीकी संस्थान/कॉलेज रिपोर्टिंग फॉर्म

तकनीकी संस्थान/कॉलेज के लिए कॉपी

कृपया नीचे दिए गए सभी विवरण भरें और किसी भी बॉक्स को खाली न छोड़ें।
जहाँ लागू ना हो वहाँ एन.ए. **(NA)** लिखें।

राज्य का नाम:	**जिला का नाम :**	**ब्लॉक का नाम :**
ग्राम/नगर का नाम :		
तकनीकी संस्थान/ कॉलेज का नाम		तकनीकी संस्थान/ कॉलेज कोड
तकनीकी संस्थान/ कॉलेज का प्रकार उचित प्रकार पर टिक (✓) करें	सरकारी/सरकारी अनुदान ( )	निजी/प्राइवेट ( )
क्या आपके तकनीकी संस्थान/कॉलेज संस्था से किसी ने कृमि मुक्ति दिवस प्रशिक्षण में भाग लिया था।	हाँ/नहीं	

एल्बेंडाजॉल दवाई का कवरेज	**लड़कियाँ**	**लड़के**	**कुल**
तकनीकी संस्थान/कॉलेज में नामांकित बच्चों की कुल संख्या (19 साल या उससे कम)			**(A)**
नामांकित बच्चों की कुल संख्या (19 साल या उससे कम) जिन्हें कृमि मुक्ति दिवस और मॉप–अप सप्ताह के दौरान एल्बेंडाजॉल की दवाई खिलायी गयी			**(T)**
कुल योग: तकनीकी संस्थान/कॉलेज नमांकित बच्चों की कुल संख्या जिन्हें कृमि मुक्ति दिवस और मॉप–अप सप्ताह के दौरान एल्बेंडाजॉल की दवाई खिलायी गयी	**(T)**		
प्रतिशत कवरेज	**(T) X 100 / (A) =**		
तकनीकी संस्थान/कॉलेज द्वारा रिपोर्ट की गई गंभीर प्रतिकूल घटनाओं की कुल संख्या			
स्टॉक विवरण			
तकनीकी संस्थान/कॉलेज को प्राप्त एल्बेंडाजोल दवाई की कुल संख्या			
तकनीकी संस्थान/कॉलेज के पास बची हुई एल्बेंडाजॉल दवाई की कुल संख्या			
प्रतिक्रिया (यदि कोई हो)			
दस्तावेज़ तैयार करने वाले अधिकारी का नाम, पदनाम एवं हस्ताक्षर			
दस्तावेज़ की समीक्षा करने वाले अधिकारी का नाम, पदनाम एवं हस्ताक्षर			
संस्था प्रमुख/प्रभारी अधिकारी का फोन नंबर			
किसी भी समस्या के निवारण हेतु आप राज्य/जिला/ब्लॉक कार्यालय में बात कर सकते हैं।			

तकनीकी संस्थान/कॉलेज संस्था प्रमुख रिपोर्टिंग फॉर्म को भर कर 10 सितम्बर 2019 तक ए.एन.एम. के पास जमा करें ए.एन.एम. सभी तकनीकी संस्थान/कॉलेज रिपोर्टिंग फॉर्मस को ब्लॉक एनडीडी नोडल ऑफिसर पर 17 सितम्बर 2019 तक जमा करें

नोटः रिकॉर्ड और सत्यापन (वेरिफिकेशन) के लिए रिर्पोर्टिंग फार्म की एक कॉपी अपने पास तकनीकी संस्थान/कॉलेज में ही रखें।

याद रखें

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवसः **29 अगस्त 2019**

मॉप-अप सप्ताहः **30 अगस्त से 4 सितम्बर 2019**

तकनीकी संस्थान/कॉलेज रिर्पोटिंग फॉर्म जमा करने की अंतिम तिथिः **10 सितम्बर 2019**

ध्यान दें

1. इस पृष्ठ/पन्ने के पीछे राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस का तकनीकी संस्थान/कॉलेज रिपोर्टिंग फॉर्म है।
2. संस्थान प्रमुख के साथ दिए गए रिपोर्टिंग फॉर्म को परफोरेशन (दिए गए छिद्र) से अलग करें।
3. संस्थान प्रमुख सभी वर्गों के आंकड़ों को तकनीकी संस्थान/कॉलेज रिपोर्टिंग फॉर्म में भरकर समयानुसार ए.एन.एम. को जमा कर दें।

रिपोर्टिंग गाईडलाईंस (तकनीकी संस्थान/कॉलेज)

रिकॉर्डिंग

- शिक्षक राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस पर दवाई खिलाने के साथ-साथ उपस्थिति रजिस्टर में हर बच्चे के नाम के सामने एक सही का (✓) निशान लगाएं।
- शिक्षक मॉप-अप सप्ताह के दौरान दवाई खिलाने के साथ-साथ उपस्थिति रजिस्टर में हर बच्चें के नाम के सामने दो सही (✓✓) का निशान लगाएं।

रिपोर्टिंग

- राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस और मॉप-अप सप्ताह के दौरान शिक्षक दवाई खाये बच्चों की संख्या अलग-अलग गिनती करें और संस्था प्रमुख को जमा करें।
- संस्था प्रमुख बच्चों की संख्या लिखने से पहले सुनश्चित करें कि गिनती सही की गई है। इसमे अपने तकनीकी संस्थान/कॉलेज के किसी एक शिक्षक से आंकड़ो की गणना अवश्य करायें।
- संस्था प्रमुख रिपोर्टिंग फॉर्म को भर कर बची हुई एल्बेंडाजॉल दवाई के साथ ए.एन.एम. को जमा करें।
- रिकॉर्ड और सत्यापन के लिए रिपोर्टिंग फॉर्म की एक कॉपी तकनीकी संस्थान/कॉलेज में अपने पास रखें।

याद रखें

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवसः **29 अगस्त 2019**

मॉप-अप सप्ताहः **30 अगस्त से 4 सितम्बर 2019**

तकनीकी संस्थान/कॉलेज रिर्पोटिंग फॉर्म जमा करने की अंतिम तिथिः **10 सितम्बर 2019**

ध्यान दें

1. इस पृष्ठ/पन्ने के पीछे राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस का तकनीकी संस्थान/कॉलेज रिपोर्टिंग फॉर्म है।
2. संस्थान प्रमुख के साथ दिए गए रिपोर्टिंग फॉर्म को परफोरेशन (दिए गए छिद्र) से अलग करें।
3. संस्थान प्रमुख सभी वर्गों के आंकड़ों को तकनीकी संस्थान/कॉलेज रिपोर्टिंग फॉर्म में भरकर समयानुसार ए.एन.एम. को जमा कर दें।

रिपोर्टिंग गाईडलाईंस (तकनीकी संस्थान/कॉलेज)

रिकॉर्डिंग

- शिक्षक राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस पर दवाई खिलाने के साथ-साथ उपस्थिति रजिस्टर में हर बच्चे के नाम के सामने एक सही का (✓) निशान लगाएं।
- शिक्षक मॉप-अप सप्ताह के दौरान दवाई खिलाने के साथ-साथ उपस्थिति रजिस्टर में हर बच्चें के नाम के सामने दो सही (✓✓) का निशान लगाएं।

रिपोर्टिंग

- राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस और मॉप-अप सप्ताह के दौरान शिक्षक दवाई खाये बच्चों की संख्या अलग-अलग गिनती करें और संस्था प्रमुख को जमा करें।
- संस्था प्रमुख बच्चों की संख्या लिखने से पहले सुनश्चित करें कि गिनती सही की गई है। इसमे अपने तकनीकी संस्थान/कॉलेज के किसी एक शिक्षक से आंकड़ो की गणना अवश्य करायें।
- संस्था प्रमुख रिपोर्टिंग फॉर्म को भर कर बची हुई एल्बेंडाजॉल दवाई के साथ ए.एन.एम. को जमा करें।
- रिकॉर्ड और सत्यापन के लिए रिपोर्टिंग फॉर्म की एक कॉपी तकनीकी संस्थान/कॉलेज में अपने पास रखें।